vinetur

ब्राज़ील का 8% वाइन कर शेल्फ कीमतें केवल 2% से 3% तक बढ़ा सकता है

आयातकों का कहना है कि फरवरी 2027 में लागू होने वाला कर सीमा शुल्क निकासी के समय आवश्यक पूंजी करीब 25% बढ़ा सकता है

सोमवार, 9 नवंबर 2026



ब्राज़ील 2 फरवरी 2027 से वाइन पर 8% चयनात्मक कर लगाना शुरू करने की योजना बना रहा है। यह कदम अस्थायी उपाय 1.399/2026 के तहत उठाया जाएगा। इससे आयातकों, वितरकों, उत्पादकों और खुदरा विक्रेताओं में बेचैनी है, लेकिन शुरुआती चेतावनियों के मुकाबले शेल्फ कीमतों पर इसका असर कम हो सकता है।

4 नवंबर को घोषित यह उपाय वाइन पर लागू मौजूदा औद्योगिक उत्पाद कर यानी IPI की जगह लेगा। 8 नवंबर को VEJA में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार, बाज़ार से जुड़े लोगों ने कहा कि तत्काल सबसे बड़ी चिंता उपभोक्ताओं द्वारा चुकाई जाने वाली अंतिम कीमत नहीं, बल्कि देश में माल दाखिल करते समय आयातकों की बढ़ी हुई नकदी जरूरत हो सकती है।

यह नया कर ब्राज़ील के व्यापक कर सुधार का हिस्सा है और उस व्यवस्था के तहत आता है जिसे आम तौर पर “सिन टैक्स” कहा जाता है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर यह शब्द उन उत्पादों पर लगाए जाने वाले करों के लिए इस्तेमाल होता है, जो ऐसी आदतों से जुड़े हों जिन्हें सरकारें हतोत्साहित करना चाहती हैं। हालांकि, ब्राज़ील के वाइन बाज़ार में इस बात को लेकर भ्रम फैला है कि इस बदलाव से लागत वास्तव में कितनी बढ़ेगी।

क्षेत्र में शुरुआती तौर पर प्रसारित कुछ दावों में कहा गया कि नया कर वाइन की कीमतें 20% तक बढ़ा देगा। VEJA की रिपोर्ट के अनुसार, कंसल्टेंसी Ideal BI के मुख्य कार्यकारी फेलिपे गल्टारोसा ने इस व्याख्या पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि 8% चयनात्मक कर को मौजूदा 6.5% IPI की जगह लेने वाले कर के रूप में देखा जाना चाहिए, न कि मौजूदा कर बोझ के ऊपर जोड़े जाने वाले अतिरिक्त 8% के तौर पर।

इससे मौजूदा और नई दरों के बीच 1.5 प्रतिशत अंक का अंतर रह जाएगा। VEJA द्वारा उद्धृत Ideal BI के अनुमानों के मुताबिक, अंतिम उपभोक्ता कीमतों पर असर करीब 2% से 3% हो सकता है। यह इस बात पर निर्भर करेगा कि हर कंपनी अपना कारोबार किस तरह संचालित करती है।

यह अनुमान खुदरा बाज़ार पर ऐसे असर की ओर इशारा करता है जो कई कारोबारियों की शुरुआती आशंकाओं से कम है। इसके बावजूद, लागत में कोई भी बढ़ोतरी मायने रखती है, क्योंकि बाज़ार पहले से ही कमजोर मांग और घरेलू बजट पर बढ़ते दबाव से जूझ रहा है।

गल्टारोसा के आकलन के मुताबिक, सबसे गंभीर दबाव कर वसूली के तरीके से पैदा होगा। नई व्यवस्था में आयातक द्वारा उत्पाद बेचने के समय लागू पिछली डेबिट-क्रेडिट प्रणाली के बजाय सीमा शुल्क निकासी के समय भुगतान करना होगा। इस बदलाव के चलते ब्राज़ील में वाइन लाते समय आयातकों को पहले से अधिक नकदी लगानी पड़ेगी।

VEJA के मुताबिक, Ideal BI का अनुमान है कि सीमा शुल्क निकासी के समय आवश्यक पूंजी करीब 25% बढ़ सकती है। ऊंची ब्याज दरों और महंगी वित्तीय व्यवस्था वाले बाज़ार में यह बदलाव कार्यशील पूंजी पर दबाव डाल सकता है, भले ही अतिरिक्त बोझ पूरी तरह उपभोक्ताओं पर न डाला जाए।

पेय उद्योग के लिए यह असर केवल वाइन तक सीमित नहीं है। लैटिन अमेरिका के सबसे बड़े पेय बाज़ारों में से एक में आयातकों, उत्पादकों और वितरकों को मूल्य निर्धारण, वित्तपोषण और भंडार की रणनीतियों पर फिर से विचार करना पड़ सकता है। ब्राज़ील पर निर्भर निर्यातकों को भी खरीदारी के फैसलों में देरी या स्थानीय साझेदारों से अधिक कड़ी शर्तों का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि कंपनियां आयात की अधिक नकदी-आधारित प्रक्रिया के अनुरूप खुद को ढालेंगी।

यह बहस वाइन कारोबार के लिए मुश्किल समय में हो रही है। VEJA ने बाज़ार विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि 2026 में सर्दियों के दौरान बिक्री खास तौर पर कमजोर रही। इसकी वजह कम होती क्रय शक्ति, घरेलू कर्ज, स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं, वज़न घटाने वाली दवाओं का बढ़ता इस्तेमाल और शराब की खपत घटाने के अभियान रहे।

यह पृष्ठभूमि बताती है कि प्रत्यक्ष मूल्य प्रभाव सीमित होने के बावजूद नए कर प्रस्ताव पर इतनी तीखी प्रतिक्रिया क्यों हुई। कारोबारी केवल कर बदलावों से ही नहीं, बल्कि ऐसे उपभोक्ता बाज़ार से भी जूझ रहे हैं जो अधिक सतर्क और चुनिंदा खरीदारी करता दिख रहा है।

गल्टारोसा ने VEJA से यह भी कहा कि ब्राज़ील अंतरराष्ट्रीय वाइन उत्पादकों के लिए अब भी आकर्षक बाज़ार है, लेकिन आपूर्ति वास्तविक खपत से तेज़ी से बढ़ी है। उनके द्वारा उद्धृत आंकड़ों के अनुसार, पिछले दशक में ब्राज़ील का वाइन आयात दोगुना हो गया, जबकि भंडार को ध्यान में रखने के बाद बाज़ार की वास्तविक वृद्धि इसी अवधि में करीब 20% रही, यानी लगभग 2% सालाना। इस गणना में शामिल कुल मात्रा के आधे से अधिक हिस्से में टेबल वाइन और मीठी वाइन थी।

यह रुझान बताता है कि नए कर के बिना भी बाज़ार में बदलाव जारी रह सकता है। गल्टारोसा ने कहा कि उन्हें आने वाले

दशक में मात्रा घटने, लेकिन मूल्य बढ़ने की उम्मीद है ; उपभोक्ता कम खरीदेंगे और महंगे उत्पाद चुनेंगे।

कर को लेकर चर्चा एक अन्य मुद्दे से भी जुड़ गई है: Mercosur-European Union व्यापार समझौता। बाज़ार की कुछ टिप्पणियों में कहा गया कि चयनात्मक कर इस समझौते से यूरोपीय वाइन निर्यातकों को मिलने वाले लाभ को खत्म कर सकता है। VEJA की रिपोर्ट के मुताबिक, गल्टारोसा ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा कि दोनों उपाय अलग-अलग स्तरों पर काम करते हैं।

व्यापार समझौते का संबंध दोनों गुटों के बीच आयात शुल्कों में क्रमिक कटौती से है। चयनात्मक कर ब्राज़ील के घरेलू कर सुधार के तहत बनाया गया आंतरिक कर है। एक उपाय दूसरे को रद्द नहीं करता। इसका अर्थ है कि यूरोपीय वाइन को व्यापार समझौते के तहत शुल्क कटौती का लाभ मिल सकता है, जबकि उस पर नया घरेलू कर भी लागू होगा।

VEJA द्वारा उद्धृत विश्लेषण के मुताबिक, समय के साथ कर सुधार के कुछ हिस्से वितरण को आसान बना सकते हैं। व्यापक सुधार से उस कर प्रणाली को सरल बनाने की उम्मीद है जिसे ब्राज़ील के राज्यों में वाइन का आयात और वितरण करने वाली कंपनियों के लिए लंबे समय से जटिल माना जाता रहा है। 2033 तक चलने वाले इस बदलाव के दौरान कंपनियों को क्षेत्रीय असमानताओं में कमी और कम जटिल लॉजिस्टिक्स व्यवस्था का लाभ मिल सकता है।

फिलहाल, हालांकि, वाइन कारोबार की कंपनियों का ध्यान उन दीर्घकालीन लाभों के मिलने से पहले की अवधि पर है। फरवरी 2027 की प्रस्तावित शुरुआत से उत्पादकों, आयातकों और वितरकों के पास नकदी योजना और कारोबारी शर्तों में बदलाव के लिए सीमित समय बचा है, भले ही बोतलों की कीमतों में आशंका जताई गई बड़ी उछाल शुरुआती अनुमानों के स्तर तक न पहुंचे।